संस्थान द्वारा विदेशों में हिंदी प्रचार-प्रसार योजना के अंतर्गत कार्यक्रम/कार्यशाला/संगोष्ठी आदि आयोजित करने हिंदी पत्रिकाओं ओर पुस्तकों के प्रकाशन हेतु अनुदान/आर्थिक सहयोग देने की योजना - शासी परिषद् ने संस्थान की 'विदेशों में हिंदी का प्रचार प्रसार योजना के अंतर्गत कार्यक्रम एवं कार्यशाला आयोजित करने, विदेशों में प्रकाशित प्रतिष्ठित हिंदी पत्रिकाओं और पुस्तक प्रकाशन हेतु अनुदान देने के संबंध में निम्नवत सैद्धांतिक स्वीकृति दी -

1. लघु पत्रिकाओं के लिए 'वित्तीय सहयोग योजना' के अंतर्गत विदेशों से प्रकाशित हिंदी पत्रिका/वेब पत्रिका को वित्तीय सहयोग। (प्रति पत्रिका 50 हजार अनुदान तथा प्रारंभ में 10 पत्रिकाओं को अनुदान राशि देने की योजना।)

2. हिंदीतर भाषी देशी व विदेशी लेखकों को हिंदी में लिखित मौलिक कृतियों को प्रकाशित करने के लिए अनुदान देने अथवा संस्थान के प्रकाशन विभाग से प्रकाशित करने (निर्धारित राशि के अंतर्गत) का प्रावधान। (प्रतिवर्ष 10 लेखक, किसी भी देश से एक वर्ष में 2 से अधिक नहीं, प्रति पुस्तक 50 हजार अनुदान)

3. भारत में विदेशी एवं हिंदीतर भाषी हिंदी अध्यापकों के लिए ऑनलाइन नवीकरण पाठ्यक्रमों के आयोजन के साथ ही विदेशों में भी ऑनलाइन वर्चुअल माध्यम से नवीकरण कार्यक्रमों को आयोजन करने का प्रावधान। यदि कोई देश अपने खर्चे पर संस्थान के शैक्षिक सदस्य को नवीकरण कार्यक्रमों में आमंत्रित करता है तो उसकी स्वीकृति।

4. विदेशी विश्वविद्यालयों के भारत विद्या विभाग / हिंदी विभाग में हिंदी सप्ताह का आयोजन करने का प्रावधान।

5. हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं प्रोत्साहन हेतु विदेशों में सक्रिय प्रतिष्ठित संस्थाओं को उनकी गतिविधियों (कार्यक्रम, कार्यशाला, संगोष्ठी आदि) के संचालन हेतु आर्थिक सहयोग